भारत – ताजिकिस्तान संबंध

भारत और ताजिकिस्तान के बीच संबंध परंपरागत रूप से घनिष्ठ और मधुर रहे हैं। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय यात्राओं के आदान – प्रदान से द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने सितंबर 2009 में ताजिकिस्तान की राजकीय यात्रा की थी। उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने 14 से 17 अप्रैल, 2013 के दौरान ताजिकिस्तान का दौरा किया। माननीया विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 10 से 12 सितंबर 2014 के दौरान दुशान्बे में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के मुखियाओं की परिषद (एससीओ) के सम्मेलन के लिए ताजिकिस्तान का दौरा किया। ताजिकिस्तान की ओर से राष्ट्रपति रहमोन ने पांचवीं बार 01 से 04 सितंबर, 2012 के दौरान भारत का दौरा किया (इससे पहले उन्होंने 1995, 1999, 2001 एवं 2006 में भारत का दौरा किया था) तथा विदेश मंत्री सिरोदजिनदिन अस्लोव ने मई 2015 में भारत का दौरा किया था।

2. राष्ट्रपति रहमोन की सितंबर, 2012 में भारत यात्रा के दौरान भारत और ताजिकिस्तान अपने द्विपक्षीय संबंधों को "कूटनीतिक भागीदारी" के स्तर पर ले आए हैं, जिनमें राजनैतिक, आर्थिक, शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास, रक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संस्कृति एवं पर्यटन के व्यापक क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। निजी कंपनियों के साथ करारों के अलावा, दोनों देशों द्वारा (1) वस्त्र (2) संस्कृति (3) शिक्षा (4) खेलकूद (5) स्वास्थ्य (6) श्रम और (7) कृषि के संबंध में करारों / समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री की ताजिकिस्तान यात्रा (12 एवं 13 जुलाई, 2015)

3. भारत के माननीय प्रधानमंत्री की मध्य एशिया कर यात्रा के आखिरी पड़ाव पर उनकी ताजिकिस्तान यात्रा (12 एवं 13 जुलाई, 2015) से भारत – ताजिकिस्तान संबंध और सुदृढ़ हुए हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने रक्षा, कनेक्टिविटी एवं आतंकवाद की खिलाफत के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन के साथ विस्तार से वार्ता की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दक्षिणी ताजिकिस्तान में कुरगान टेप्पा में भारत – ताजिकिस्तान मैत्री अस्पताल का भी दौरा किया; दुशांबे में इस्माइली सोमोनी स्मारक पर फूल-माला चढ़ाई; और राष्ट्रपति रहमोन के साथ गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। दोनों नेताओं ने एक कृषि कार्यशाला को भी संबोधित किया जिसमें 1500 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया।

4. प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 2003 में ताजिकिस्तान का दौरा किया था।

5. दोनों देशों के बीच सहयोग के विकास एवं विस्तार के लिए भारत और ताजिकिस्तान द्वारा अनेक द्विपक्षीय परामर्श तंत्र स्थापित किए गए हैं जैसे कि विदेश कार्यालय परामर्श; व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग पर संयुक्त आयोग; अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की खिलाफत पर संयुक्त कार्य समूह; रक्षा सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह आदि।

6. भारत और कजाकिस्तान एस सी ओ और यू एन संगठन सहित बहुपक्षीय मंचों के तत्वावधान में एक दूसरे के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। ताजिकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन करता है। भारत ने ताजिकिस्तान को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) में शामिल करने के लिए अपना समर्थन प्रदान किया। 3 अगस्त 2012 को विश्व व्यापार संगठन में ताजिकिस्तान की सदस्यता का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल पर आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री श्री शरीफ रहीमजोडा तथा राजदूत श्री असित भट्टाचारजी के बीच हस्ताक्षर किए गए और 2 मार्च 2013 को ताजिकिस्तान विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू टी ओ) का 159वां सदस्य बना।

7. ताजिकिस्तान के साथ द्विपक्षीय व्यापार किसी पर्याप्त स्तर पर नहीं है तथा यह क्षमता से काफी कम है। माल के परिवहन के घुमावदार मार्ग (भारत से बंदर अब्बास तक समुद्री मार्ग, बंदर अब्बास से तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के रास्ते जमीनी मार्ग) के कारण व्यापार में बाधा आती है। भारतीय निर्यातों की मुख्य वस्तुएं औषधियां, चाय, कॉफी, रासायनिक पदार्थ, वस्त्र और कपड़े तथा मशीनरी हैं और ताजिकिस्तान से मुख्य आयात की जाने वाली वस्तुएं एल्यूमिनियम, कपास, सूखे मेवे, सब्जियां, कार्बनिक रसायन और सुगंधित तेल हैं। द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े निम्नानुसार हैं :

व्यापार

(मिलियन यूएस डॉलर में मूल्य)

2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-2014	2014-2015
15.50	22.21	34.18	32.56	41.33	30.14	48.02	55.13	58.09

भारत से ताजिकिस्तान को निर्यात:

(मिलियन यूएस डॉलर में मूल्य)

2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-2014	2014-2015
7.45	12.40	16.71	15.71	18.31	21.28	35.16	54.27	53.71

ताजिकिस्तान से भारत को निर्यात :

(मिलियन यूएस डॉलर में मूल्य)

2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
8.05	9.81	17.47	16.85	23.02	8.86	12.86	0.86	4.39

(स्रोत : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत)

8. जनवरी और फरवरी 2008 में अप्रत्याशित ठण्ड से पैदा हुए संकट से उबरने के लिए, भारत ने 2 मिलियन यू एस डॉलर (1 मिलियन यू एस डॉलर नकद सहायता के रूप में और 1 मिलियन यू एस डॉलर पावर केबलों, जनरेटरों और पम्प सैटों के रूप में) का अनुदान प्रदान किया था। भारत द्वारा जून 2009 में, 200,000 यू एस डॉलर नकद की सहायता अप्रैल और मई 2009 में आई बाढ़ से हुए नुकसान से उबरने के लिए प्रदान की गई थी। 7 मई 2010 को कुल्याब प्रांत में अचानक आई बाढ़ के बाद भारत ने मानवता के नाते 200,000 यू एस डॉलर की सहायता प्रदान की थी। दक्षिण – पश्चिम ताजिकिस्तान में पोलियो के प्रकोप के बाद भारत ने नवंबर 2010 में यूनिसेफ के माध्यम से ओरल पोलियो वैक्सीन की 2 मिलियन खुराक प्रदान की। 28 दिसंबर, 2013 को भारत सरकार ने गोर्नो बादक्षान स्वायत्त क्षेत्र (पामीर) के खोरोग शहर के गवर्नर को एक हाई क्वालिटी एंबुलेंस उपहार में दिया। ताजिकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहायता के लिए अपील के जवाब में जी बी ए ओ और रश्ट घाटी के बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित लोगों को राहत प्रदान के लिए, 01 सितंबर 2015 को भारत ने ताजिकिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में 100,000 अमरीकी डॉलर की राशि प्रदान की।

9. **परियोजनागत सहायता** : (1) वर्ष 1995 में, भारत ने औषधियों के उत्पादन के लिए एक निजी भारतीय कंपनी "अजंता फार्मा" के साथ एक संयुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिए ताजिकिस्तान सरकार को 5 मिलियन यू एस डॉलर का लाइन्स ऑफ क्रेडिट प्रदान किया था। यह संयुक्त उपक्रम "ताजिक अजंता फार्मा" ताजिकिस्तान की ओर से पर्याप्त पूँजी प्रदान करने में असफल रहने के कारण चालू नहीं हो पाया। भारत सरकार ने भारत के प्रधान मंत्री की नवंबर 2003 की यात्रा के दौरान उस मूलधन राशि को 3.37 मिलियन यू एस डॉलर के अर्जित ब्याज के साथ अनुदान में परिवर्तित कर दिया था। (2) 0.6 मिलियन यू एस डॉलर के अनुदान के साथ, वर्ष 2005 में एक फल प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया गया था। (3) 0.6 मिलियन यूएस डॉलर के अनुदान के साथ,

एक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (बेदिल केंद्र) स्थापित किया गया था जो वर्ष 2006 में चालू हो गया था। (4) 0.75 मिलियन यूएस डॉलर के अनुदान के तहत, भारत ने एक आधुनिक इंजीनियरिंग कार्यशाला स्थापित की है जो जून 2011 में आरंभ हो गई थी। (5) अगस्त 2006 में राष्ट्रपति रहमोन की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान, भारत ने भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) और नेशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एन एच पी सी) के माध्यम से 1936 के एक पुराने वारजोब-1 हाइड्रो पावर स्टेशन का पुनरुद्धार एवं आधुनिकीकरण करने की वचनबद्धता की थी। भारत सरकार ने लगभग 20 मिलियन यू एस डॉलर की अनुमानित लागत के 100 प्रतिशत अनुदान के माध्यम से इस परियोजना का वित्त पोषण किया। नवीकरण के बाद, संस्थापित क्षमता 2x3.67 मेगावाट से बढ़कर 2x4.75 मेगावाट हो गई थी।

10. **निजी निवेश एवं परियोजनाएं** : ताजिकिस्तान में भारतीय निजी निवेश में दुशान्बे में सी एच एल द्वारा निर्मित एक 5 सितारा होटल "शेरेटन" शामिल है। इस होटल का उद्घाटन राष्ट्रपति रहमोन द्वारा 6 सितंबर 2014 को किया गया था। एक भारतीय कंपनी के ई सी / आर पी जी ने संगतुडा-1 जल विद्युत संयंत्र से अफगान सीमा तक 116 किलो मीटर की विद्युत पारेषण लाइन के निर्माण का काम अक्टूबर 2010 में पूरा कर लिया था। एक वाणिजयिक संविदा पर, भेल ने ताजिकिस्तान की कंपनी "पामीर एनर्जी" को 7 मेगावाट के एक जनरेटर की आपूर्ति की थी। 2014 में मैसर्स कल्पतरू नामक एक भारतीय कंपनी ने एशियाई विकास बैंक के वित्त पोषण के तहत विद्युत पारेषण लाइन के निर्माण के लिए 22 मिलियन डॉलर की संविदा प्राप्त की।

11. **सहायता के नए पैकेज** : राष्ट्रपति रहमोन की 1 से 4 सितंबर 2012 तक की भारत यात्रा के दौरान, भारत ने ताजिकिस्तान के साथ अपनी चल रही विकास भागीदारी के भाग के रूप में, नई विकास परियोजनाओं की घोषणा की थी जिनमें ये शामिल हैं: एक उत्कृष्ट आईटी केंद्र; टेली-एजुकेशन और टेली-मेडिसिन के साथ एक ई-नेटवर्क; चिकित्सा केंद्र; भाषा प्रयोगशालाएं; एक उद्यमिता विकास संस्थान; कृषि यंत्रों की आपूर्ति; और लघु विकास परियोजनाओं के एक पैकेज (एस डी पी) का कार्यान्वयन।

12. **ताजिकिस्तान के साथ वायुमार्गीय संपर्क** : ताजिक एयर ने 6 जुलाई 2012 को दुशान्बे से नई दिल्ली की एक सीधी साप्ताहिक उड़ान शुरू की थी, परंतु इसे अगस्त 2012 के दूसरे सप्ताह में बंद कर दिया। 31 मई, 2013 को उड़ान फिर से शुरू हुई। तथापि, दिसंबर 2014 से ताजिक एयर ने इसे पाक्षिक उड़ान के रूप में बदल दिया है।

13. **सांस्कृतिक संबंध** : संस्कृति के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंध जीवंत एवं गतिशील हैं। पूर्व सोवियत संघ के साथ मधुर संबंधों ने भारतीय संस्कृति के प्रति कजाकिस्तान के लोगों की सोच को सकारात्मक ढंग से प्रभावित किया है जो ताजिकिस्तान में योग, भारतीय फिल्मों, नृत्य एवं संगीत की लोकप्रियता में निरंतर अभिव्यक्त हो रही है। दोनों देशों ने जुलाई 2015 में प्रधानमंत्री की ताजिकिस्तान यात्रा के दौरान 2016 से 2018 की अवधि के लिए कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में एक सहयोग कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किया है। दूतावास से संबद्ध एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आई सी सी) का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन 30 जून 2003 को किया गया। आई सी सी आर ने केंद्र पर एक कत्थक (नृत्य) शिक्षक और एक तबला शिक्षक प्रतिनियुक्त किया है। नृत्य एवं संगीत की नियमित कक्षाओं के अलावा, केंद्र योग एवं हिंदी की कक्षाएं भी चलाता है जो काफी लोकप्रिय हो गए हैं।

14. **छात्रवृत्तियां** : ताजिकिस्तान के अभ्यर्थियों द्वारा भारत में अध्ययन के लिए अब तक आई टी ई सी के 993 स्लॉटों और आई सी सी आर की 339 छात्रवृतियों का लाभ उठाया गया है। ताजिकिस्तान आई टी ई सी कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभग्राहियों में से एक है (सितंबर 2012 में राष्ट्रपति रहमोन की भारत यात्रा के दौरान आई टी ई सी स्लॉटों को 100 से बढ़ाकर 150 कर दिया गया था)।

15. ताजिकिस्तान में भारतीय समुदाय : ताजिकिस्तान में भारतीय नागरिकों की संख्या 400 के आसपास है जिसमें से 300 से अधिक दुशांबे चिकित्सा कॉलेज में छात्र हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, दुशांबे की वेबसाइट :
www.indianembassytj.com

***

जनवरी, 2016